भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

मिशन लाईफ के अंतर्गत

दिनांक : 24 अप्रैल, 2023

"जंगल में आग और पर्यावरण - ऊर्जा एवं जल संरक्षण" विषय पर संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी

भावाशिप – वन उत्पादक्ता संस्थान के निदेशक डॉ. योगेश्वर मिश्रा की अध्यक्षता में दिनांक 24-04-2023 को मिशन लाइफ (Life) के अंतर्गत "जंगल में आग एवं पर्यावरण" सुरक्षा में अग्नि शमन यंत्र का प्रयोग विषय पर एक संगोष्ठी सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी ने भाग लिया। झारखण्ड अग्नि सेवा की पिस्का मोड़ शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आग पर काबू पाने के तकनीकी का प्रदर्शन किया गया जिसमें ऊर्जा एवं पानी दोनों की बचत हों। श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की के संचालन में संस्थान के निदेशक डॉ. योगेश्वर मिश्रा ने आग से होने वाले पर्यावरणीय क्षति के विषय में विस्तार से बताया। उन्होने बताया कि पलामू राँची, गुमला जैसे जंगली क्षेत्र में आग की सम्भावना अधिक रहती है। उन्होंने कहा कि जंगलों की आग अधिकतर मानव निर्मित होती है, जो महुआ, तेन्दूपत्ता, घास, मशरूम आदि के लिए लगाया जाता है। इसके प्रति सावधानी बरतने पर जोर दिया। सूचना तकनीकी की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि मौसम की पूर्व सूचना की तरह ही आग के सम्भावित क्षेत्र एवं ऐसे क्षेत्रों की डाटा की उपलब्धता पर कार्य किए जा रहे हैं।

इससे पूर्ण श्रीमती अंजना सूचिता तिर्की, भा. व. से., उप-वन संरक्षक ने बताया कि आग की घटना वाले क्षेत्रों में पौधों की पुनर्जनन प्रक्रिया काफी प्रभावित होती है एवं सूक्ष्म जीवों के ह्रास से जैव विविधता प्रभावित होती है।

डॉ.शरद तिवारी ने GIS एवं Remote Sensing आदि के माध्यम से आग की संभावना एवं आग से प्रभावित क्षेत्रों में किस प्रकार पूर्वानुमान कर लोगों को सचेत किया जा सकता है, इसके विषय में किये जा रहे प्रयोग के विषय में जानकारी दी।

श्री एच. एस. गुप्ता Chair of Excellence ने सारंडा, गोवा में विभिन्न समयों में लगे आग का उदाहरण देते हुए उसके शमन की प्रक्रिया के विषय में बताया। पारसनाथ पहाड़ी में आग का उदाहरण देते हुए ग्रामीणों के सहयोग से पायी सफलता की भी चर्चा की। उन्होंने बताया की अमेरिका में वन कर्मियों का 80% समय जंगलों को आग से बचाने में ही जाती है।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

मिशन लाईफ के अंतर्गत

दिनांक : 24 अप्रैल, 2023

LiFE Lifestyle For Environment

"जंगल में आग और पर्यावरण - ऊर्जा एवं जल संरक्षण" विषय पर संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी

झारखण्ड अग्नि सेवा के श्री किशोर तिर्की शाखा पदाधिकारी पिस्का मोड़ अग्निशमन शाखा ने आग लगने के कारणों को बताते हुए सबसे अधिक आग के प्रति असावधानी को मुख्य कारण बताया।श्री किशोर ने बताया कि छोटे-छोटे अग्निशमन यंत्र उपलब्ध है जो प्रारंभिक अवस्था में काफी उपयोगी होते हैं। इसके उपयोग से पानी एवं ऊर्जा दोनों की बचत होती है। हरी पत्तियों व्दारा आग बुझाना, रास्ता काट कर आग को आगे बढ़ने से रोकना, शॉर्ट सर्किट में स्वीचऑफ करना आदि ऐसे सावधानियाँ है जो आग को विस्तार लेने से रोकती है एवं ऊर्जा एवं पानी दोनों की बचत होती है। आग जिधर बढ़ रहा हो उधर पानी का फुहारा देने से कम पानी की आवश्यक्ता होती है। श्री धमेन्द्र कुमार, श्री फुलकुमार सिंह, श्री सुखराम सिंह मुण्डा तथा श्री नरेन्द्र कुमार महतो आदि अग्निक चालकों ने अग्निशमन यंत्रों के चालन का प्रदर्शन किया तथा संस्थान के कर्मचारियों को Hands-on-training भी उपलब्ध करायी। उन्होंने अलग-अलग परिस्तिथियों में आग बुझाने के तरीकों के विषय में विस्तार से प्रदर्शित कर समझाया।

श्री बी. डी. पंडित द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20 भारत 2023 INDIA — वसुधैव कुटुम्बकम् — ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)